तापमान
अधिकतम 40 .4 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

10 अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंची संत रविदास ...

10 दस लाख से सुलझा 34 साल पुराना संपत्ति विवाद ..

खबर संक्षेप

डॉ. राज रतन यूपीएससी में उप निदेशक बने

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राज रतन का संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में उप निदेशक (परीक्षा सुधार) के प्रतिष्ठित पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। डॉ. राज रतन ने शैक्षणिक क्षेत्र में आने से पहले भारतीय नौसेना में 15 वर्षों तक सेवाएं दीं। इसके बाद उन्होंने हरियाणा के उच्च शिक्षा विभाग में भी कार्य किया। वर्तमान में वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में अध्यापन, शोध और प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, माता-पिता, परिवार, गुरुजनों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों को दिया।

श्री कृष्ण और राधा पर आपत्तिजनक कमेंट

यमुनानगर। फेसबुक पर शौर्य मेहला नाम की आईडी से भगवान श्री कृष्ण व राधा के बारे अश्लील व आपत्तिजनक वीडियो सेंड की गई। पुलिस ने सुभाष नगर निवासी जयंत स्वामी की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में केस दर्ज किया है। सुभाष नगर निवासी जयंत स्वामी ने साइबर क्राइम थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 जुलाई को फेसबुक आईडी शौर्य मेहला के अकाउंट से भगवान श्री कृष्णा व राधा माता के बारे में आपत्तिजनक व अश्लील कमेंट वीडियो सेंड किए गए। जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। उसने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

चोरों ने घर से नकदी व मोबाइल चुराई, केस दर्ज

यमुनानगर। शहर की आनंद कॉलोनी में चोरों ने घर में घुसकर 18 हजार रुपये की नकदी व मोबाइल चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की आनंद कॉलोनी निवासी जमशीदा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 11 जुलाई को घर का ताला लगाकर किसी काम से घर से बाहर गई थी। 12 जुलाई को घर वापस लौटी तो घर का ताला टूटा हुआ था और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से 18 हजार रुपये व एक मोबाइल गायब मिला।

रंजिश में हमला, डेढ़ दर्जन आरोपियों पर केस

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांव कलेसर में रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद 16 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता मिसरीयान ने बताया कि गांव के लालदीन व अरशद से हुए पुराने विवाद के चलते 11 जुलाई को आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उस पर थप्पड़ों और मुक्कों से हमला कर घायल कर दिया। शोर सुनकर लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पानीपतः हादसे में युवक की मौत

पानीपत। पानीपत की पुलिस लाइन के पास शुक्रवार की रात को अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक चालक अमित निवासी गांव सिवाह की मौत हो गई। जबकि अमित के साथ सवार दो युवक भी घायल हो गए। इधर, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद अमित का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई जांच में बढ़ा घोटाले का दायरा, तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा पर एक और एफआईआर

गेहूं घोटाला: 9951 और बैग गायब नुकसान बढ़कर 4.49 करोड़ पहुंचा

अब तक 16,355 बैगों की कमी, रिकॉर्ड नहीं सौंपने पर तत्कालीन कस्टोडियन पर विभागीय कार्रवाई तेज

गेहूं के चट्टों के बीच से कट्टे निकाल कर छिपाया गया था गबन, रिकवरी की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ करनाल

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के कुंजपुरा स्थित सरकारी गोदाम में गेहूं गबन का मामला लगातार गहराता जा रहा है। ताजा विभागीय जांच में 9951 गेहूं के बैग और गायब पाए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 2.72 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ कुंजपुरा थाने में एक और एफआईआर दर्ज कराई गई है। इससे पहले भी हजारों बैग कम मिलने के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है।

जांच के दौरान सामने आया कि गोदाम के स्टॉक का कई चरणों में सत्यापन किया गया और हर बार गड़बड़ी का दायरा बढ़ता गया। सबसे पहले खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निर्देश पर हुई जांच में 4904 गेहूं के बैग कम मिले थे। इसके बाद विजिलेंस जांच में 9585 बैग कम पाए गए। तीन जुलाई को शिकायतकर्ता विकास शर्मा की मौजूदगी में कराए गए भौतिक सत्यापन में करीब 1500 बैग खराब हालत में मिले। वहीं 15 जुलाई को निदेशक स्तर की जांच में बचे स्टॉक में 327 बैग और कम पाए गए। अंतिम जांच में स्पष्ट हुआ कि पहली जांच के बाद अलग रखे गए स्टॉक से भी 9951 बैग गायब हो चुके थे।

करनाल। कुंजपुरा स्थित सरकारी गेहूं गोदाम, जहां जांच में हजारों गेहूं के बैग गायब मिलने का मामला सामने आया।

विभागीय आकलन के अनुसार अब तक 4904 बैग गायब, 9951 अतिरिक्त बैग गायब और 1500 बैग खराब होने की पुष्टि हो चुकी है। इस तरह कुल 16,355 बैगों का नुकसान सामने आया है। प्रति बैग औसत कीमत 2750 रुपये के आधार पर विभाग ने कुल नुकसान लगभग 4.49 करोड़ रुपये आंका है, जिसे अब तक के सबसे बड़े सरकारी अनाज घोटालों में शामिल माना जा रहा है।

जांच रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि निलंबन और पद से हटाए जाने के बावजूद तत्कालीन कस्टोडियन अशोक शर्मा ने गोदाम का पूरा रिकॉर्ड विभाग को नहीं सौंपा। विभाग की ओर से कई बार पत्र भेजकर रिकॉर्ड जमा कराने के निर्देश दिए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि मामले की जांच के लिए गठित नई टीम को क्लीन चिट दे दी गई है। टीम ने गोदाम के स्टॉक का भौतिक सत्यापन, वीडियोग्राफी और दस्तावेजों की जांच के बाद उसकी कार्यप्रणाली को सही पाया।

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि गोदाम में रखे गेहूं के चट्टों के बीच से कट्टे निकाल लिए गए थे, ताकि बाहर से देखने पर स्टॉक पूरा दिखाई दे और गड़बड़ी पकड़ में न आए। अब विभाग अशोक शर्मा के खिलाफ विभागीय चार्जशीट जारी कर सरकारी गेहूं की कीमत की रिकवरी करेगा। वहीं पुलिस दर्ज एफआईआर के आधार पर आपराधिक जांच को आगे बढ़ाएगी और यह पता लगाएगी कि इस गबन में अन्य अधिकारी, कर्मचारी या बाहरी लोग भी शामिल थे या नहीं।

बच्चों के साथ गली में खेलते समय हादसा

खुले नाले में गिरने से तीन वर्षीय बच्ची की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर की विजय कॉलोनी में बच्चों के साथ गली में खेल रही तीन वर्षीय बच्ची की खुले नाले में गिरने से मौत हो गई। बच्ची का शव नाले के तेज बहाव में बहकर रेलवे लाइनों के पार पटेल नगर के पास एक छोटी पुलिया में फंसा मिला। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है, जबकि कॉलोनी के लोगों में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश है। शहर की विजय कॉलोनी निवासी तीन वर्षीय बच्ची पलक अन्य बच्चों के साथ गली में खेल रही थी। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गई। काफी देर तक आसपास तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पड़ोसियों की मदद से खोजबीन तेज कर दी। स्थानीय लोगों ने गली के कोने पर स्थित एक फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी देखी। फुटेज में बच्ची के गली से बाहर नहीं जाने की जानकारी मिलने पर लोगों का शक पास से गुजर रहे खुले नाले पर गया। इसके बाद कुछ लोगों ने नाले में तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद बच्ची का शव पटेल नगर के पास पुलिया में फंसा मिला। पीड़ित परिवार उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है। पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद परिजन बच्ची के शव को लेकर अपने पैतृक गांव रवाना हो गए। हादसे के बाद विजय कॉलोनी के लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई।

भैंसी माजरा के पूर्व सरपंच के भतीजे की टैंक में डूबने से मौत

कुरुक्षेत्र। भैंसी माजरा गांव में खेत के पास बने 15 फीट गहरे ओपन टैंक में डूबने से 35 वर्षीय किसान नवीन कुमार की मौत हो गई। वह गांव के पूर्व सरपंच राजकुमार उर्फ राजू का भतीजा था। नवीन सुबह अपने खेत पर गया था, लेकिन देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई।इसी दौरान पड़ोसी ने खेत में नवीन की बाइक खड़ी देखी। टैंक के किनारे उसके कपड़े और चप्पल पड़े मिले, जिसके बाद अनहोनी की आशंका पर परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे गोताखोर प्रगट सिंह ने काफी प्रयास के बाद टैंक से नवीन का शव बाहर निकाला।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नवीन संभवतः नहाने के लिए टैंक में उतरा था, लेकिन गहरे पानी में फंसने के कारण बाहर नहीं निकल सका और उसकी डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।नवीन खेती-बाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। वह अपने पीछे पत्नी, एक बेटा और एक बेटी छोड़ गया है। उसकी अचानक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुरुक्षेत्रः फर्जी पेस्टीसाइड फर्म से करोड़ों की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। साइबर थाना पुलिस ने फर्जी पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी विक्रम सिंह और शिवम (कैथल निवासी, हाल निवासी कुरुक्षेत्र) के साथ फर्जी लेबल और पैकेजिंग डिजाइन करने वाले सुखराज (बसंत विहार, करनाल) को भी गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार म्यूल अकाउंट की जांच के दौरान संदिग्ध बैंक लेनदेन का पता चला। तकनीकी साक्ष्यों और बैंक खातों की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी फर्जी फर्म बनाकर विभिन्न राज्यों के लोगों को डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का झांसा देते थे। बड़े मुनाफे का लालच देकर वे करोड़ों रुपये की ठगी करते थे। लोगों का विश्वास जीतने के लिए नकली लेबल, पैकेजिंग और फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धोखाधड़ी की रकम से खरीदी गई एक कार, एक मोटरसाइकिल, सोने के आभूषण, 9 मोबाइल फोन, एक कंप्यूटर, नकली लेबल लगी पेस्टीसाइड व फर्टिलाइजर सामग्री तथा करीब 1.15 लाख रुपये बरामद किए।

- कार, बाइक, सोना, 9 मोबाइल और नकदी बरामद

युवक की जहर के दुष्प्रभाव से मौत, परिजनों ने तीन बच्चों की मां को ठहराया जिम्मेदार

पानीपत। पानीपत की नूरवाला कॉलोनी में 24 वर्षीय शुभम की जहरीले पदार्थ के दुष्प्रभाव से मौत हो गई। वहीं, परिजनों ने शुभम की मौत के लिए एक महिला को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया कि महिला ने ही शुभम को जहरीला पदार्थ देकर उसकी हत्या की है। वहीं, परिजन शुभम के शव को सिविल अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा कर थाना तहसील कैंप पहुंच गए और बताया कि तीन बच्चों की मां, शुभम को गत दो सालों से प्रताड़ित कर रही थी। इस महिला के कारण शुभम मानसिक रूप से बहुत परेशान चल रहा था। इधर, परिजनों ने आरोपी महिला के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत देकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इधर, पुलिस ने महिला पर लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि शुभम की मौत की पुलिस गहन जांच कर रही है। जांच में जो भी आरोपी दोषी पाया जाएगा उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

- तीन बच्चों की मां, शुभम को गत दो सालों से प्रताड़ित कर रही थी

युवक ने नाबालिग लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर किया दुष्कर्म

यमुनानगर। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक ने नाबालिग लड़की को सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक पिछले एक साल से लड़की का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। सदर यमुनानगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उनके गांव का ही मुनव्वर उसकी 17 वर्षीय लड़की का पिछले एक साल से पीछा कर रहा था। उसकी लड़की जब भी घर से बाहर अकेली जाती तो आरोपी उसका पीछा करना शुरू कर देता और उसकी लड़की के साथ छेड़छाड़ करता। महिला ने बताया कि 29 मई को उसकी लड़की गांव में किसी काम से जा रही थी। इस दौरान आरोपी ने उसकी लड़की का पीछा करना शुरू कर दिया और उसकी लड़की को जबरदस्ती सुनसान स्थान पर ले गया। जहां आरोपी ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी दी।

- आरोपी करीबी एक साल से कर रहा था लड़की का पीछा

व्यक्ति ने महिला को बातों में उलझा कर ठगी सोने की बालियां व चांदी की अंगूठी

यमुनानगर। शहर के कटोच ऑप्टिकल के पास एक व्यक्ति ने विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी उषा रानी को बातों में उलझा कर उससे सोने की बालियां व चांदी की अंगूठी ठग ली। महिला को जब अपने साथ हुई ठगी का पता चला तो उसने मामले की सूचना परिजनों व पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर के विश्वकर्मा मोहल्ला निवासी उषा रानी ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 जुलाई को दोपहर से डेढ़ बजे वह बाजार में किसी काम से गई थी। जब वह कटोच ऑप्टिकल के पास पहुंची तो उसे एक व्यक्ति मिला। आरोपी ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया और उससे सोने की बालियां व एक चांदी की अंगूठी ले ली। इसके बाद आरोपी उसे बातों में उलझा कर मौके से फरार हो गया। आरोपी के जाने के बाद जब उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ तो उसने मामले की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने इस बारे पुलिस को सूचित किया।

- कटोच ऑप्टिकल के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने महिला को ठगा

शहजादपुर। भाजपा नेता गुरनाम सिंह की पार्थिव देह को नमन करते सीएम नायब सैनी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा नेता गुरनाम सिंह को सीएम ने दी अंतिम विदाई

शहजादपुर। भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष और ब्लॉक समिति शहजादपुर के पूर्व चेयरमैन गुरनाम सिंह गुर्जर का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र और भाजपा संगठन में शोक की लहर है। शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव धनाना स्थित उनके आवास पहुंचे, पार्थिव देह पर शॉल और भाजपा का ध्वज अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा अंतिम संस्कार में शामिल हुए।मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि गुरनाम सिंह समर्पित, अनुशासित और कर्मठ कार्यकर्ता थे। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका निधन भाजपा परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसपी अजीत सिंह शेखावत, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी, एसडीएम शिवजीत भारती, डीएसपी सूरज चावला, चंदन सैनी, नंबरदार सुरेश पाल, राकेश बिंदल, सुरेंद्र राणा, पवन गुर्जर, महामंत्री विवेक गुप्ता, करमचंद गोल्डी, उपाध्यक्ष संदीप सैनी अंबली, नरेंद्र राणा कुराली, गोपाल मित्तल, विक्रम राणा आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मां भद्रकाली के किए दर्शन

पीठाध्यक्ष ने चुनरी देवी भागवत और स्मृति चिह्न भेंट कर किया सम्मान

राष्ट्र की उन्नति, सुख-समृद्धि और शिक्षा क्षेत्र की प्रगति की कामना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

गुप्त नवरात्रों के पावन अवसर पर भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी धर्मपत्नी के साथ हरियाणा के एकमात्र शक्तिपीठ श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर, कुरुक्षेत्र पहुंचे शक्तिपीठ में उन्होंने विधिवत पूजन-अर्चन कर राष्ट्र की उन्नति तथा समस्त देशवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। शक्तिपीठ पहुँचने पर टीम शक्तिपीठ द्वारा उनका पुष्पगुच्छों के साथ भव्य स्वागत किया गया ।तत्पश्चात पीठाध्यक्ष पं सतपाल शर्मा गुरुजी एवं मुख्य पुजारिन शिमला देवी ने श्रीदेवीकूप पर वैदिक मंत्रोच्चारण संग उनका पूजन करवाया तथा मां की पावन शक्ति चुनरी, पुष्पमाला एवं तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया। मंत्री धर्मेंद्र प्रधान एवं उनकी धर्मपत्नी ने श्री देवीकूप की परिक्रमा कर मां के श्रीचरणों में अश्वों का जोड़ा अर्पित किया तथा गर्भगृह में मां के चांदी चरण का पंचामृत पूजन कर पंचदीप पात्र से भव्य आरती की। उन्होंने लाल चुनरी, सिंदूर, नारियल, पुष्प, पंचमेवा एवं फलों का भोग अर्पित किया तथा महालक्ष्मी एवं महासरस्वती मंदिर में भी विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने गुप्त नवरात्रि के मौके पर हवन यज्ञ में पूर्णाहुति भी डाली। उनकी धर्मपत्नी ने मां के गर्भगृह में 21 मिनट का गुप्त निजी ध्यान व मंत्रोच्चार और शनि मंदिर में तेलाभिषेक किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि मां भद्रकाली शक्तिपीठ सदियों से श्रद्धा, शक्ति और सिद्धि का पावन तीर्थ रहा है। गुप्त नवरात्रि में मां के दर्शनों से उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की उनकी यात्रा मां के दर्शनों के बाद ही सम्पूर्ण हुई। उन्होंने मां भद्रकाली से प्रार्थना की कि भारत ज्ञान, संस्कार, शिक्षा, विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे तथा देश का प्रत्येक विद्यार्थी राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

कुरुक्षेत्र। श्रीदेवीकूप भद्रकाली मंदिर में पूजा करते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान।

गुप्त नवरात्रों में मां भगवती की आराधना फलदाई

पीठाध्यक्ष पं सतपाल शर्मा ने कहा कि गुप्त नवरात्रों में मां भगवती की आराधना का विशेष महत्व है। इन पावन दिनों में मां भद्रकाली के दर्शन एवं आशीर्वाद का सौभाग्य अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। उन्होंने मां भद्रकाली से केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं उनकी धर्मपत्नी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की। पीठाध्यक्ष ने उन्हें मां भद्रकाली का पावन चित्र, शंख एवं देवी भागवत आशीर्वाद स्वरूप दिए।

यमुनानगरः जेपी अस्पताल के पास हुआ हादसा

तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर के रेलवे रोड स्थित जेपी अस्पताल के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार विकास नगर बहादुरगढ़ निवासी धीरज ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 45 वर्षीय सुनेश्वर गुप्ता 16 जुलाई को रात 11 बजे रेलवे रोड से जा रहा था। जब वह जेपी अस्पताल के पास पहुंचा तो शहर के भगत सिंह चौक की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही कार ने उसके पिता को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसका पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल सुनेश्वर गुप्ता को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खबर संक्षेप

आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

करनाल। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव के तहत रविवार 19 जुलाई को शहर में भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। जीबीपीएस ट्रस्ट वृंदावन के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली इस रथयात्रा में प्रमुख यजमान की भूमिका शीला डुडेजा निभाएंगी। सतीश डुडेजा ने बताया कि रथयात्रा सेक्टर-4 कम्युनिटी सेंटर से शाम पांच बजे आरंभ होकर विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए पाम रेजिडेंसी पहुंचेगी, जहां विश्राम होगा। रथ को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करने का आह्वान किया। उनका कहना था कि रथयात्रा में सहभागी बनने से व्यक्ति को आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कल मनाई जाएगी गुरु दक्ष प्रजापति जयंती

करनाल। प्रजापति चौपाल समिति की ओर से 19 जुलाई को विकास कॉलोनी स्थित प्रजापति कुम्हार चौपाल में महाराजा श्री गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। एसडीओ धर्मवीर आर्य ने बताया कि समाज के सभी लोगों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया जाएगा। समारोह में विधायक जगमोहन आनंद मुख्य अतिथि, मेयर रेणु बाला गुप्ता, भाजपा जिला प्रधान प्रवीण लाठर, सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा तथा सुरेंद्र उड़ाना अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राममेहर आर्य, डॉ. नरेश करडवाल और उद्योगपति राजीव कुमार विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता देवराज चौहान और गुलाब सिंह प्रजापति करेंगे।

भाखड़ा नहर से किशोर का शव बरामद

कुरुक्षेत्र। दबखेड़ी गांव के पास भाखड़ा नहर से किशोर का शव बरामद हुआ। किशोर 15 जुलाई की दोपहर को लापता हुआ था। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे किशोर की उसके पिता के साथ मोबाइल पर आखिरी बातचीत हुई थी। उसके बाद किशोर पूरी रात घर नहीं लौटा। उसी दिन से परिवार किशोर की तलाश में जुटा है। मृतक की पहचान नई निहारसी जिला अंबाला के 17 साल के अभीजोत के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता बेटा था।

मोबाइल मेडिकल ने 317 लोगों को दी स्वास्थ्य सेवाएं

कुरुक्षेत्र। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा शनिवार को दो मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के माध्यम से थानेसर विधानसभा क्षेत्र स्थित ओपी जिन्दल पार्क में, 317 लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपने घरों के नजदीक ही निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। आसपास के गांवों से पहुंचे लोगों ने भी स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। धर्मवीर सिंह ने बताया कि आज मरीजों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई तथा उनकी स्थिति के अनुसार आवश्यक परामर्श दिया गया। इस दौरान रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई।

आशा वर्कर्स ने 21 जुलाई के प्रदर्शन को लेकर बनाई रणनीति

- पंचकूला कूच की तैयारी, मांगें पूरी नहीं होने पर जेल भरो आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

आशा वर्कर यूनियन की ओर से ब्लॉक घरौंडा के दहा और मिरघैन सब सेंटर में बैठकें आयोजित कर 21 जुलाई को पंचकूला स्थित एनएचएम महानिदेशक कार्यालय के घेराव की तैयारियों पर चर्चा की गई। ब्लॉक प्रधान सुरेशो, विमला, सलोचना, सुखविंद्र, शिमला, नीरू और सुदेश ने बताया कि राज्य स्तरीय प्रदर्शन में करनाल जिले से बड़ी संख्या में आशा वर्कर भाग लेंगी। यदि इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं तो 10 अगस्त को जिला स्तर पर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा।

यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा घोषित 1500 रुपये की मानदेय वृद्धि अब तक लागू नहीं की गई है। आरोग्य मंदिर ऐप, टीबी सर्वे और पोलियो अभियान सहित कई कार्यों का भुगतान भी लंबित है। बैठक में नीरू, सुदेश रानी, संदी, सुखविंद्र, पुष्पेंद्र, शिमला, अमृता, सुलोचना, मतलेश, रूपा सैनी, बिमला रानी, सुरेशो, सोनिया और प्रमिला ने भी विचार रखे।

करनाल। पंचकूला प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर बैठक करतीं आशा वर्कर्स तथा प्रदर्शन की तैयारियों का निरीक्षण करते कर्मचारी नेता।

सफाई और फायरकर्मी 21 को करेंगे प्रदर्शन

करनाल। नगरपालिका कर्मचारी संघ और अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन की संयुक्त जिला स्तरीय रैली 21 जुलाई को सेक्टर-12 स्थित फव्वारा पार्क में आयोजित होगी। रैली में सफाई कर्मचारी और फायरकर्मी अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के समक्ष आवाज बुलंद करेंगे। रैली की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे राज्य महासचिव राम तिगर ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों के साथ हुए सभी समझौते तत्काल लागू करने चाहिए। उन्होंने पे-रोल पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों और सीवरमैन को नियमित करने, नियमितीकरण तक न्यूनतम 30 हजार रुपये वेतन देने, तथा ऑनलाइन तबादला नीति वापस लेने की मांग उठाई। इस अवसर पर इकाई प्रधान राजकुमार, सचिव राजेंद्र कुमार, नरेश अठवाल, धर्मवीर सरोहे, बिंदर चौहान, सेवाराम बड़सर आदि मौजूद रहे।

समिति 25 को करेगी पौधरोपण जल बचाने का भी लिया संकल्प

- पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल की मासिक बैठक में लोगों से पौधे लगाने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल की मासिक बैठक समिति सदस्य डॉ. पहुप सिंह के सेक्टर-6 स्थित निवास पर आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने की।

उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के दौर में पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से जन्मदिन और सालगिरह जैसे अवसरों पर पौधे लगाने का आह्वान किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 जुलाई 2026 को सुबह 10:30 बजे सेक्टर-4 के पार्क में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा 2 अगस्त 2026 को मानव सेवा संघ, करनाल में समिति सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। बैठक में जल संरक्षण पर भी चर्चा हुई और पीने के पानी से वाहन तथा रैंप धोने पर चिंता व्यक्त की गई। सदस्यों ने बताया कि सरकार ने ऐसे मामलों में भारी जुर्माने और दोबारा उल्लंघन होने पर पानी का कनेक्शन काटने के निर्देश दिए हैं। समिति ने बताया कि उसने 500 अच्छी गुणवत्ता के पौधे मंगवाए हैं, जिन्हें इच्छुक नागरिकों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में राम रतन अत्री, डॉ. पहुप सिंह, एस.डी. अरोड़ा, अंजु शर्मा, अर्जुन देव वर्मा, बाबूराम शर्मा, इंजी. अनिल कुमार अरोड़ा, भीम सिंह नम्बरदार, हेमराज मित्तल, के.एल. नारंग और गुरमेल सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

स्वच्छता व कैच दी रेन जैसे अभियानों में भाग लें: अजीत

- स्वच्छता से स्वागत अभियान 19 जुलाई तक चलाया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

नगर पालिका सचिव अजीत कुमार के आदेश अनुसार तरावड़ी शहर में स्वच्छता से स्वागत अभियान चला हुआ है और इस अभियान के साथ-साथ कैच दी रेन कैंपेन भी चला हुआ है। स्वच्छता से स्वागत अभियान 13 जुलाई से लेकर 19 जुलाई तक चलाया जाएगा । इस अभियान के अंतर्गत शहर में हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, नगर पालिका के अध्यक्ष वीरेंद्र बंसल, नगर पालिका सचिव अजीत कुमार, नगर के पार्षद गण, शहर के गणमान्य व्यक्ति और नगर पालिका के कर्मचारी, अधिकारी और सफाई कर्मी इन सब ने मिलकर सफाई अभियान चलाया। इसी अभियान के अंतर्गत नगर पालिका के मोटीवेटर परविंदर सिंह और राजवंती द्वारा स्कूलों के बच्चों को साफ सफाई,स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी दी जा रही है । शहर के चौराहों पर आवागमन कर रहे लोगों को एकत्रित करके उनको स्वच्छता और साफ सफाई के महत्व के बारे में मोटिवेट किया जा रहा है। नगर पालिका सचिव अजीत कुमार के नेतृत्व में प्रत्येक वार्ड कैच दी रेन कैंपेन के अंतर्गत लोगों को जल संचयन की महत्वत्ता के बारे में जानकारी दी जा रही है । लोग बरसात के पानी को ऐसे ही बर्बाद ना होने दें ।

सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने पर जन संघर्ष मंच का विरोध

- शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और एनटीए भंग करने की रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

जन संघर्ष मंच हरियाणा की कुरुक्षेत्र-कैथल-करनाल इकाई के प्रधान करनैल सिंह ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और प्रदर्शनकारी छात्रों को दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने का कड़ा विरोध किया है। मंच ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए केंद्र सरकार की कार्रवाई की निंदा की। करनैल सिंह ने कहा कि पेपर लीक और विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में पिछले 21 दिनों से आंदोलनरत सोनम वांगचुक और छात्रों की मांगों पर संवाद करने के बजाय पुलिस कार्रवाई करना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के साथ बल प्रयोग और उन्हें हटाने की कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में आंदोलनकारियों के स्वास्थ्य और जीवन को लेकर चिंतित है तो उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। मंच ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने तथा परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। जन संघर्ष मंच ने नई शिक्षा नीति-2020 की भी आलोचना की।

तनावमुक्त जीवन के लिए वर्तमान में जीना सीखें : राजयोगी ओंकार

- ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में खुशहाल जीवन के दिए सूत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-7 सेवा केंद्र की ओर से /"स्ट्रेस फ्री हैप्पी लिविंग/" विषय पर प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माउंट आबू से पहुंचे मोटिवेशनल स्पीकर राजयोगी प्रो. ओंकार चंद शर्मा और सांसद प्रतिनिधि कविंद्र राणा का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया, जबकि बालिका सायशा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। राजयोगी प्रो. ओंकार चंद शर्मा ने कहा कि खुशी किसी परिस्थिति या उपलब्धि पर निर्भर नहीं होनी चाहिए। मुस्कुराना ही खुशी की सबसे बड़ी वजह है और जो व्यक्ति हमेशा मुस्कुराता है, वही वास्तव में भाग्यशाली होता है।

करनाल। ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रम में संबोधित करते राजयोगी प्रो. ओंकार चंद शर्मा एवं उपस्थित अतिथि।

न्यूज डायरी

मधुबन में मुख्यमंत्री का महापौर ने किया स्वागत

करनाल। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने शनिवार को मधुबन स्थित हरियाणा पुलिस अकादमी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री का नशामुक्त, सुरक्षित और समृद्ध हरियाणा बनाने का संकल्प प्रत्येक जनप्रतिनिधि और नागरिक के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि नगर निगम भी मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शहर में स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं और नागरिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी महापौर के जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उन्हें इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहने की शुभकामनाएं दीं।

प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

करनाल। सेक्टर-8 स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित भव्य मां भगवती जागरण में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए मां भगवती के श्रीचरणों में शीश नवाया और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति एवं खुशहाली की कामना की। महापौर ने कहा कि मां भगवती की आराधना भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा, सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। महापौर ने समाजसेवी सरिता गुप्ता एवं विजय कुमार गर्ग द्वारा आयोजित जागरण की सराहना करते हुए आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और श्रद्धालुओं के साथ मां भगवती के भजनों का आनंद लिया।

विद्यार्थी परिषद राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यमः सुधा

कुरुक्षेत्र। श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कुरुक्षेत्र द्वारा 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के मल्टी पर्पज हॉल में श्री गुरु तेग बहादुर प्रतिभा सम्मान समारोह एवं 'राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान, विभाग प्रचारक संजय कुमार ने शिरकत की, जबकि विशेष उपस्थिति पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष गौरव वीर सोहल की रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज वत्स ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भारत माता तथा श्री गुरु तेग बहादुर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। जिला प्रमुख डॉ. प्रशांत शर्मा ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए परिषद के 78 वर्षों के गौरवशाली इतिहास, संगठन के उद्देश्यों एवं राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। जिला संयोजक शुभम शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा मंच संचालन सुखविंदर कौर ने किया। इस अवसर पर सावन और मीनाक्षी ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में लगभग 400 मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

रक्तदान से बड़ी कोई सेवा नहीं : समिन्द्र सिंह

कुरुक्षेत्र। नेल्सन मंडेला अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर नया बस अड्डा प्रांगण, कुरुक्षेत्र में 595वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में 42 युवाओं, परिवहन कर्मचारियों एवं सामाजिक कार्यकतार्ओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वैच्छिक रक्तदान किया तथा मानव सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर के मुख्य अतिथि समिन्द्र सिंह, महाप्रबंधक, हरियाणा राज्य परिवहन, कुरुक्षेत्र ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान से बढ़कर कोई मानव सेवा नहीं है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर रोगी, दुर्घटना पीड़ति, प्रसूता अथवा थैलेसीमिया जैसे रोगों से पीड़ति मरीज को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर की अध्यक्षता प्रयास फाउंडेशन के प्रधान एवं रोटी बैंक, कुरुक्षेत्र के कोषाध्यक्ष नरेश सैनी ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटी बैंक कुरुक्षेत्र के अंकेक्षक डॉ. एम. एम. सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया तथा समाजहित में उनके योगदान की सराहना की। शिविर के संयोजक एवं संचालक राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

नगर निगम वार्डों से स्कूलों तक चलाएगा जागरूकता मुहिम

सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान 31 तक

- शहर को स्वच्छ रखने, मौसमी बीमारियों पर रोक की कवायद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मानसून के दौरान शहर को स्वच्छ रखने और मौसमी बीमारियों पर रोक लगाने के लिए नगर निगम ने 'सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ' अभियान का विस्तृत एक्शन प्लान तैयार किया है।

नगर निगम आयुक्त सलोनी शर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार यह अभियान 31 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। इसके तहत शहरभर में सघन सफाई अभियान, झुग्गी-बस्तियों में विशेष सफाई, सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की नियमित सफाई, मानसून और संभावित बाढ़ के बाद स्वच्छता प्रबंधन तथा संक्रमण रोकथाम संबंधी गतिविधियों पर विशेष जोर रहेगा। अभियान के दौरान प्रत्येक वार्ड में संबंधित पार्षदों, वार्ड समितियों और स्थानीय नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियों के माध्यम से घर-घर जाकर लोगों को कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। 31 जुलाई तक स्कूलों में स्वच्छता शपथ, हाथ धोने की सही विधि का प्रदर्शन, पोस्टर निर्माण, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, स्वच्छता रैली, हरियाली अभियान, खाद निर्माण, स्वच्छता ऑडिट, स्वच्छता एम्बेसडर कार्यक्रम और प्लास्टिक मुक्त अभियान जैसी गतिविधियां होंगी। बाजारों में भी दुकानदारों और व्यापारियों को जागरूक किया जाएगा। आयुक्त ने नागरिकों से अपने घर, गली और मोहल्ले को स्वच्छ रखने तथा अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने बताया कि अभियान का संचालन मुख्य सफाई निरीक्षक की निगरानी में संबंधित जोन प्रभारी करेंगे, जबकि स्वच्छता अधिकारी इसकी समग्र निगरानी करेंगे।

करनाल। सफाई अपनाओ-बीमारी भगाओ अभियान के बारे में आमजन को जागरूक करते हुए निगम कर्मी। *फोटो : हरिभूमि*

पौधरोपण और रक्तदान के साथ मध्यस्थता को बढ़ावा देने पर जोर

- सीजेएम मीनाक्षी यादव ने शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने निर्भय फाउंडेशन सशक्त नारी के सहयोग से मानव सेवा संघ, पुराना बस स्टैंड में मैसिव प्लांटेशन ड्राइव के तहत विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ पौधारोपण कर किया। उन्होंने महिलाओं को पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया और पौधों की देखभाल का भी संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान हरियाणा रोडवेज के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद जिला न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में मध्यस्थता व्यवस्था को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता अजय कुमार शारदा ने की, जबकि सभी न्यायिक दंडाधिकारी मौजूद रहे। मीनाक्षी यादव ने अधिक से अधिक मामलों को मध्यस्थता केंद्र भेजकर आपसी सहमति से शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

घर से नकदी और जेवर ले उड़े चोर

पानीपत। बबैल रोड स्थित गुरुनानकपुरा में चोरों ने दलीप कुमार के घर से 80 हजार की नकदी, दो मोबाइल फोन सैट और चांदी के जेवरात तो ले ही गए, साथ ही घर में रखे जरूरी कागजात और बच्चों के स्कूल की कॉपियां भी समेट ले गए। इधर, दलीप की शिकायत पर किला थाना पुलिस ने घटनास्थल की जांच की, पुलिस ने फोरेंसिक टीम से भी घटनास्थल की जांचा करवाई। इधर, थानेदार दीवान सिंह ने बताया कि दलीप के घर चोरी की घटना की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

फसल अवशेष न जलाएं किसान

पानीपत। उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने कहा कि पराली का वैज्ञानिक प्रबंधन समय की आवश्यकता है। आधुनिक कृषि यंत्र न केवल किसानों की लागत कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहायक हैं, बल्कि वायु प्रदूषण रोकने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसानों को पराली जलाने के बजाय सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर टिकाऊ और आधुनिक खेती को अपनाना चाहिए।

श्री गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह 26 को

पानीपत। श्री गुरु दक्ष प्रजापति जयंती समारोह का आयोजन 26 जुलाई को गांव सिवाह में किया जाएगा। वहीं, समारोह का आयोजन श्री दक्ष प्रजापति वेलफेयर एसोसिएशन गांव सिवाह द्वारा किया जा रहा है यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय कुम्हार महासभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सतबीर प्रजापति ने बताया कि कार्यक्रम में समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेशाध्यक्ष भाजपा हरियाणा डॉ अर्चना गुप्ता, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, जिला परिषद अध्यक्ष ज्योति शर्मा, चेयरमैन ब्लॉक समिति पानीपत कुलदीप राणा तथा रणदीप आर्य सरपंच ग्राम पंचायत सिवाह आदि भाग लेंगे।

चेयरमैन के कारिंदे की बच्ची से रेप की चेष्टा

समालखा। समालखा की एक कालोनी में निवास कर रहे परिवार की 11 वर्षीय बच्ची के साथ सचिन नामक युवक ने दुष्कर्म करने की चेष्टा की। पुलिस की जांच में पता चला कि सचिन, नगर परिषद समालखा के चेयरमैन अशोक कुच्छल की हलवाई की दुकान पर काम करता है। सचिन शुक्रवार की रात को दीवार फांद कर घर में खुसा और अर्द्धनग्न हालात में बच्ची की चारपाई पर उसके साथ लेट गया। सचिन ने बच्ची के साथ दुष्कर्म की चेष्टा की तो बच्ची ने शोर मचा दिया और परिवार जाग गया। परिजनों ने सचिन को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

ठगी के केस का आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना साइबर क्राइम पुलिस टीम ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी मामले में साइबर ठगों को बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले दूसरे आरोपी धर्मेंद्र निवासी होडल जिला पलवल को गिरफ्तार किया है। थानेदार दीपक ने बताया कि इस मामले में थाना साइबर क्राइम में हुडा सेक्टर 11/12 निवासी वीरेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है। जबकि इस मामले में आरोपी सन्नी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं, पुलिस ने आरोपी धर्मेंद्र को न्यायालय में पेश का दो दिन के रिमांड पर लिया है।

प्रजातंत्र के हित में है एसआईआर

पानीपत। भारत निर्वाचन आयोग ने एक जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का संशोधित कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोग के चौदह जुलाई के पत्र के अनुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की नई समय-सारिणी निर्धारित की गई है। इसके साथ ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा ने सभी जिलों को संशोधित कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

बिजली नहीं आने से सिंचाई के अभाव में धान लगे खेतों में दरार आई, किसान परेशान

डिकाडला के किसानों ने पावर हाउस पर ताला लगाया

हरिभूमि न्यूज ⏭समालखा

पानीपत के गांव डिकाडला के ग्रामीणों ने बिजली के अघोषित कटों से परेशान होकर शनिवार की सुबह गांव में स्थित पावर हाउस पर ताला लगा कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का आरोप है कि गत सप्ताह से दो-तीन घंटे ही बिजली की आपूर्ति हो रही है। बिजली नहीं आने के कारण जहां भीषण गर्मी व उमस के कारण जनजीवन प्रभावित है, वहीं बारिश नहीं होने के कारण व बिजली नहीं आने के चलते किसान अपनी धान की फसल की सिंचाई नहीं कर पा रहे है। सिंचाई के अभाव में धान लगे खेतों में तरेड आ गई है। तरेड आने से धान की फसल का उत्पादन प्रभावित होगा और किसानों पर आर्थिक मार पडेगी।

पानीपत। गांव डिकाडला के किसान पावर हाउस पर प्रदर्शन करते हुए व सिंचाई के अभाव में धान लगे खेत में आई दरार। फोटो: हरिभूमि

ग्रामीणों का दावा है कि बिजली निगम के पास गांवों में व सिचाई के लिए ट्यूबवेलों को देने के लिए बिजली नहीं है, जबकि फैक्टरियों में हर समय बिजली की आपूर्ति की जा रही है।

बिजली आपूर्ति सुधारने का मिला भरोसा

ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली निगम के अधिकारी व कर्मचारी ग्रामीणों की शिकायत तक दर्ज नहीं करते। पूछताछ करने पर कहते है कि लाइन में फाल्ट है इस लिए बिजली की आपूर्ति बंद है। वहीं, दोपहर एक बजे बिहौली सब डिवीजन के एसडीओ अनिल कुमार पावर हाउस पर पहुंचे और आंदोलनकारी ग्रामीणों से बातचीत की। एसडीओ ने पावर हाउस पर तैनात कर्मचारियों को कडी फटकार लगाते हुए ग्रामीणों को आशवासन दियाक बिजली की आपूर्ति सुचारू की जाएगी। इसके बाद ग्रामीणों ने पावर हाउस का ताला खोला।

पानीपत। रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करते कर्मचारी।

रिफाइनरी कर्मियों ने प्रदर्शन कर भूख हड़लात की

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

इंडियन ऑयल पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन और रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत होने के बाद भी समस्याओं के समाधान पर सहमति न बनने के कारण शनिवार को प्रदर्शन और भूख हड़ताल की। प्रदर्शनकारियों ने रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की।

बता दें कि पानीपत रिफाइनरी कर्मचारी यूनियन अपनी मांगे मनवाने और समस्याओं के समाधान के लिए पिछले काफी समय से प्रधान संपूर्ण सिंह के नेतृत्व में विभिन्न तरीकों से रिफाइनरी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, यूनियन के प्रधान संपूर्ण सिंह, मनोज कटियार, प्रदीप शर्मा, पवन चहल, ललित कुमार भूख हडलात पर बैठे। इधर, संपूर्ण सिंह ने कहा कि रिफाइनरी प्रशासन कि गलत नीतियों के कारण कर्मचारी आंदोलन पर है।

रिफाइनरी प्रशासन सभी टाउनिशप में निवास कर रहे कर्मचारियों व उनके परिजनों को पीने का स्वच्छत पानी भी नहीं दे रही है। उन्होंने दावा किया कि जब तक यूनियन की मांगे नहीं मानी जाती तब तक भूख हड़ताल जारी रहेगी। इधर, आंदोलनरत रिफाइनरी कर्मियों के बीच सीटू नेता सुनील दत्त पहुंचे और उन्हें, तन, मन, धन से साथ देने का आश्वासन दिया।

हरा-भरा-स्वच्छ नगर बनाएंगे: प्रमोद

- नगर निगम के हर वार्ड की स्वच्छता पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी गंदगी मिली तो जिम्मेदार अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

स्वच्छता से स्वागत अभियान के तहत शनिवार को पानीपत की बत्रा कॉलोनी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। वहीं, विधायक प्रमोद विज ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। जब तक जनभागीदारी नहीं होगी, तब तक स्वच्छता का सपना पूरी तरह साकार नहीं हो सकता। हमें अपने घर के साथ-साथ आसपास के सार्वजनिक स्थानों को भी साफ रखने की आदत विकसित करनी होगी।

स्वच्छ वातावरण से ही स्वस्थ समाज और विकसित शहर का निर्माण संभव है। हर नागरिक इस अभियान का भागीदार बने और पानीपत को प्रदेश के सबसे स्वच्छ शहरों में शामिल करने में अपनी भूमिका निभाए। वहीं, उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने कहा कि स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। शहर के प्रत्येक वार्ड का नियमित निरीक्षण किया जाएगा और जहां भी सफाई व्यवस्था में लापरवाही या अनियमितता पाई गई, वहां संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हमारा उद्देश्य केवल सफाई अभियान चलाना नहीं, बल्कि पूरे शहर में स्थायी और प्रभावी स्वच्छता व्यवस्था स्थापित करना है। सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें और नागरिक भी इस अभियान को जन आंदोलन बनाने में सहयोग दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमित सफाई, कूड़ा उठान, नालियों की सफाई और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहर में कहीं भी गंदगी की स्थिति उत्पन्न न हो।

पानीपत। स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए विधायक प्रमोद विज व डीसी डॉ हरीश वशिष्ठ आदि। फोटो: हरिभूमि

टोल प्लाजा पर गंदगी देख नाराज हुए चेयरमैन

- एलएंडटी के पदाधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई, फिर चला टोल क्षेत्र में स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने शनिवार को वार्ड पांच स्थित लोधी पार्क में आयोजित 'स्वच्छता से स्वागत' कार्यक्रम में भाग लेकर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ सघन स्वच्छता श्रमदान किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, पार्षद जयदीप अरोड़ा, नवल जिंदल आदि उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता का संदेश देते हुए नागरिकों से अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने का आह्वान किया।

दूसरी ओर, कार्यक्रम के उपरांत वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र ने पानीपत टोल क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टोल परिसर और आसपास गंदगी तथा अतिक्रमण की स्थिति देखकर उन्होंने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर ही यातायात पुलिस प्रभारी और टोल प्रबंधक को बुलाकर अव्यवस्थाओं का निरीक्षण कराया और तत्काल सफाई अभियान चलाने तथा अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

वाइस चेयरमैन ने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी और अव्यवस्था किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि टोल परिसर में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, यातायात सुचारु रखा जाए तथा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन केवल अभियान नहीं बल्कि जनभागीदारी का आंदोलन है।

यदि सरकारी विभाग, स्थानीय निकाय और आम नागरिक मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने और सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी रखने के भी निर्देश दिए।

वहीं, सुभाष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य केवल सफाई अभियान चलाना नहीं, बल्कि स्वच्छता को जन-जन की आदत बनाना है। निरीक्षण के दौरान जहां भी कमियां मिली हैं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाएं और सफाई व्यवस्था को स्थायी रूप से बेहतर बनाएं।

पानीपत। स्वच्छ भारत मिशन के उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र का स्वागत करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दुष्यंत भट्ट। फोटो: हरिभूमि

औद्योगिक कर्मियों को फर्स्ट एड की ट्रेनिंग दी

पानीपत। पानीपत रेड क्रॉस सोसायटी, द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों, शिक्षण संस्थानों एवं सामाजिक संस्थाओं के कर्मचारियों को व्यवसायिक प्राथमिक चिकित्सा में दक्ष बनाने के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। वहीं, जिला प्रशिक्षण अधिकारी के नेतृत्व में शनिवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), पानीपत में नीलम कुंडू, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी (डीईईओ) के नेतृत्व में आयोजित शिक्षा विभाग के ग्रुप-डी कर्मचारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला कल्चरल कोऑर्डिनेटर एवं फर्स्ट एड लेक्चरर संदीप रत्तेवाल ने प्राथमिक चिकित्सा का विस्तृत एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। इधर, प्रशिक्षण के दौरान संदीप रत्तेवाल ने कहा कि किसी भी दुर्घटना अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य आपदा के समय अस्पताल पहुंचने से पहले दिया गया सही प्राथमिक उपचार किसी व्यक्ति का जीवन बचा सकता है।

स्वच्छता का संदेश भी देती है सनातन संस्कृति

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

स्वच्छता स्वागत अभियान के तहत शनिवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने दक्षिण मंडल में सफाई अभियान चलाया। वही, स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए दक्षिण मंडल प्रभारी नवीन भाटिया ने कहा कि जहां स्वच्छता होती है, वहां रोग नहीं फैलते। मानव, स्वच्छ वातावरण में पूरी तरह से स्वस्थ रहता है।

उन्होंने कहा कि श्री सनातन धर्म के धार्मिक शास्त्रों में भी स्वच्छता को भगवान का दर्जा दिया गया है। हमारे शास्त्र संदेश देते हैं जहां स्वच्छता होती है वहीं पर भगवान निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि गंदगी के वातावरण में ही रोग कारक जीवाणु पनपते है जो मानव शरीर के अंदर जाकर रोग फैलाते हैं। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वच्छता को प्राथमिकता देते हैं और आए दिन जनता से अपील करते हैं कि वे स्वच्छता को अपनाए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को अपने तन के साथ-साथ अपने घर और आसपास के स्थानों पर स्वच्छता रखनी चाहिए। स्वच्छता से वातावरण सुंदर हो जाता है। सुंदर वातावरण में इंसान पर तनाव मुक्त होकर खुश रहता है खुशनुमा वातावरण में मानवीय व्यवहार में सकारात्मकता और सद्भावना बढ़ती है। वही, स्वच्छता अभियान में मंडल वार्ड 15 से पार्षद अमित नारंग, दक्षिण मंडल अध्यक्ष चेतन तनेजा, मंडल महामंत्री अरुण पसरिचा, हिमांशु वीरमणि, रोहताश देसवाल, शुभम गर्ग, रवींद्र गोयल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, राज पाल सहगल, दीपक गोयल, सुमित वीरमणि, राजेश वर्मा, सागर गर्ग, विकास, दीपक, राजेश गुप्ता, संदीप मेहरा सुमित समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

पानीपत। नगर निगम के वार्ड-15 में स्वच्छता अभियान चलाते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन भाटिया व अन्य।

भाजपा सरकार की प्राथमिकता है ग्रामीण अंचल का विकास: पंवार

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को इसराना विधानसभा क्षेत्र के गांव वैसर में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने स्वयं स्वच्छता अभियान में भाग लेकर ग्रामीणों को स्वच्छता का संदेश दिया तथा उपस्थित जनसमूह से अपने गांव, गली, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों को साफ-सुथरा रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 171 गरीब एवं पात्र परिवारों को आवंटन पत्र भी वितरित किए। वहीं, अपने संबोधन में मंत्री पंवार ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक और नैतिक दायित्व है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत नहीं बनाएगा, तब तक स्वच्छ और स्वस्थ भारत का सपना पूरी तरह साकार नहीं हो सकता।

पानीपत। पंचायत विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार ग्रामीणों को आवास आवंटन पत्र भेंट करते हुए। फोटो: हरिभूमि

डीसी ने समग्र शिक्षा व पीएम पोषण अभियान की समीक्षा की

शिक्षा, पोषण, कौशल विकास एक-दूसरे के पूरक हैं: डॉ. हरीश

- स्कूलों को गोद लेकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार करवाएंगे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭पानीपत

हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने शनिवार को समग्र शिक्षा एवं पीएम पोषण अभियान से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा को लेकर पानीपत के उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ व संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। इधर, बैठक में माध्यमिक शिक्षा में सौ प्रतिशत सकल नामांकन (जीईआर), स्कूल छोड़ चुके बच्चों का पुनः नामांकन, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) एवं राज्य मुक्त विद्यालयों में प्रवेश, कौशल शिक्षा तथा पीएम पोषण योजना की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

पानीपत। समग्र शिक्षा व पीएम पोषण अभियान को लेकर शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए डीसी डॉ. हरीश वशिष्ठ। फोटो: हरिभूमि

वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने जिला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि शिक्षा केवल शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले का प्रत्येक अधिकारी कम से कम एक विद्यालय को गोद ले और वहां नियमित रूप से जाकर शिक्षा, आधारभूत सुविधाओं, विद्यार्थियों की समस्याओं तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करे। उन्होंने स्वयं मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल को गोद लेने की जानकारी देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य केवल बच्चों का स्कूलों में प्रवेश कराना नहीं, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर वातावरण और भविष्य के अनुरूप कौशल उपलब्ध कराना है। जिले का कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी अधिकारी अपने-अपने गोद लिए गए विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें, वहां की आवश्यकताओं को समझें और उनके समाधान के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा में सुधार सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 96.66 प्रतिशत विद्यार्थी जिले में कक्षा 9वीं और 10वीं में अध्ययनरत हैं। शेष 3.34 प्रतिशत स्कूल से बाहर बच्चों की पहचान कर उनका शीघ्र विद्यालयों में नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा तथा खुले विद्यालयों और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का भी प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

पीएम पोषण योजना में गुणवत्ता और नियमित मॉनिटरिंग पर जोर

जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा ने पीएम पोषण योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले के सभी पात्र विद्यार्थियों को प्रत्येक कार्य दिवस पर निर्धारित मानकों के अनुरूप गर्म एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, भोजन परोसने से पूर्व शिक्षकों द्वारा अनिवार्य भोजन परीक्षण, कुक-कम-हेल्परों का प्रशिक्षण तथा नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। सरकार द्वारा निर्धारित सभी मानकों का पालन किया जा रहा है। इधर, डीसी डॉ वशिष्ठ ने कहा कि शिक्षा, पोषण और कौशल विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बेहतर पोषण और रोजगारपरक कौशल मिलेगा तो वे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नशे के विरुद्ध मजदूर वर्ग को किया जागरूक

पानीपत। पुलिस की टीम, मजदूर वर्ग को नशे के विरुद्ध शपथ दिलवाते हुए।

पानीपत। पानीपत पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता अभियान चलाए हुए है। इसी कड़ी में शनिवार को जिला पुलिस की नशा मुक्त अभियान की टीम ने थाना औद्योगिक सेक्टर 29 क्षेत्र के अंतर्गत पसीना रोड पर परशुराम कॉलोनी, आशु कॉलोनी, फौजी कॉलोनी, दयानंद कॉलोनी, पंडित कॉलोनी व प्रेम कॉलोनी में डोर टू डोर जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया। इन कॉलोनियों में प्रवासी मजदूरों की संख्या अधिक है। वहीं, पुलिस टीम ने घर-घर जाकर लोगों से संवाद स्थापित किया और उन्हें नशे से होने वाले सामाजिक, आर्थिक तथा स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लोगों को बताया कि नशे की लत व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बुरी तरह प्रभावित करती है। इससे न केवल व्यक्ति की कार्य क्षमता और निर्णय लेने की क्षमता कमजोर होती है, बल्कि उसका पारिवारिक और सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता है। टीम ने लोगों को समझाया कि नशा अपराधों को भी बढ़ावा देता है और युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना सकता है। वहीं, अभियान के जिला नोडल अधिकारी डीएसपी प्रणय कुमार ने लोगों से अपील की कि यदि उन्हें नशा तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत एमएएनएस टोल फ्री नंबर 1933 या अपने नजदीकी पुलिस थाना में इसकी सूचना दें। जन सहयोग से ही नशा तस्करी बंद होगी। वहीं, सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

खबर संक्षेप

विधिक जागरूकता विषय पर विशेष कार्यक्रम

अंबाला। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बलदेव नगर में विद्यार्थियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पॉक्सो अधिनियम-2012 एवं विधिक जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं प्राचार्य सतबीर सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम गीतांजलि गोयल रहीं।

मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन 31 को

अंबाला। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह तोमर ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 24 जुलाई कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि रिवाईज्ड शैड्यूल के अनुसार मतदान केंद्रों का रेशनेलाइजेशन 24 जुलाई तक किया जाएगा। इसके उपरांत मतदाता सूचियों का प्रकाशन 31 जुलाई को कर दिया जाएगा।

पानी-सीवर के कनेक्शन लेने का आग्रह किया

अंबाला। कार्यकारी अभियंता हरभजन सिंह ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सभी नागरिकों से पीने के पानी एवं सीवर के स्वीकृत कनेक्शन लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि लोग सरकार की अधिसूचना के अनुसार निर्धारित विकल्पों में से किसी एक का चयन कर अपना कनेक्शन शीघ्र नियमित करवाएं। सिंह ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई उपभोक्ता अपना पानी एवं सीवर कनेक्शन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार स्वीकृत (मंजूर) नहीं करवाता है, तो विभाग द्वारा उसका पानी व सीवरेज का कनेक्शन काट दिया जाएगा।

फ्लाईओवर पर हादसे में युवक ने दम तोड़ा

अंबाला। नेशनल हाईवे-44 पर कैंट फ्लाईओवर के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने 25 वर्षीय एक युवक को बुरी तरह कुचल दिया। लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से भाग गया। खून से लथपथ हालत में राहगीरों व पुलिस ने युवक को अस्पताल पहुंचाया तो युवक की मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

चलती बाइक से गिरकर महिला की दर्दनाक मौत

अंबाला। इस्माइलपुर से मटहेड़ी जा रही देवर-भाभी की बाइक हादसे का शिकार हो गई। चौड़मस्तपुर के पास चलती बाइक से गिरने के कारण 30 वर्षीय महिला अनु की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। इस्माइलपुर के प्रिंस अपनी भाभी अनु (30) को बाइक पर मटहेड़ी छोड़ने जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब चौड़मस्तपुर के नजदीक पहुंचे तो अचानक पीछे बैठी अनु का संतुलन बिगड़ गया।

सेक्टर 7 में प्राइम लोकेशन पर पड़े प्लाट की खरीद फरोख्त को लेकर 1992 से चल रहा था अदालत में कानूनी विवाद

दस लाख में सुलझा 34 साल पुराना संपत्ति विवाद डीएलएसए ने मध्यस्थता से निभाई अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रयासों से तीन दशकों से अधिक समय से लंबित एक दीवानी विवाद को प्री-स्पेशल लोक अदालत के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया है। इस 34 वर्ष पुराने जटिल मामले को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह-सचिव, डीएलएसए गीतांजलि गोयल और प्रशिक्षित मध्यस्थ रेखा वर्मा के अथक प्रयासों से सहमति से समाप्त कराया गया। यह विवाद अंबाला शहर के सेक्टर-7, के एक प्राइम एरिया में स्थित एक कीमती प्लॉट से जुड़ा था जो वर्ष 1992 से अदालत में लंबित था। विवाद तब शुरू हुआ जब याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी नंबर 1, 2 और 3 के पिता से यह प्लॉट खरीदा था। हालांकि याचिकाकर्ता से बयाना राशि प्राप्त करने के बाद मूल मालिक ने वही प्लॉट अधिक कीमत पर प्रतिवादी नंबर 4 को बेच दिया। इसके कारण यह लंबी मुकदमेंबाजी शुरू हुई। मुकदमें की लंबी अवधि के दौरान प्रतिवादी नंबर 1, 2 और 3 ने स्पष्ट किया कि उन्हें अपने दिवंगत पिता द्वारा किए गए इस लेन-देन की कोई जानकारी नहीं थी। अदालत में मामला लंबित होने के कारण, संपत्ति पर एक लंबे समय से स्टे चल रहा था। इसके परिणामस्वरूप प्रतिवादी नंबर 4 भी इस प्लॉट का उपयोग या उपभोग करने में असमर्थ थी। इस पूरे विवाद में प्रतिवादी नंबर 5 एचएसवीपी की कोई मुख्य भूमिका नहीं थी। लंबे समय से चल रही अदालती कार्रवाई और मानसिक तनाव को देखते हुए, इस मामले को डीएलएसए के स्तर पर सुलझाने का प्रयास किया । सीजेएम गीतांजलि गोयल और मध्यस्थ रेखा वर्मा की सूझबूझ और काउंसलिंग के बाद दोनों पक्ष आपसी समझौते के लिए तैयार हुए।

सीजेएम गीतांजलि और मध्यस्थ रेखा की सूझबूझ और काउंसलिंग के बाद दोनों पक्ष समझौते के लिए तैयार

अंबाला। सीजेएम के समक्ष विवाद सुलझाते दोनों पक्ष। फोटो : हरिभूमि

समाधान पर पूरी संतुष्टि व्यक्त की

समझौते की मुख्य शर्तों में याचिकाकर्ता सभी दावों के पूर्ण और अंतिम निपटान के रूप में प्रतिवादी नंबर 4 से 10,00,000 (दस लाख रुपये) की राशि प्राप्त करने पर सहमत हो गया। याचिकाकर्ता ने संपत्ति पर लगे स्टे ऑर्डर को वापस लेने पर अपनी सहमति दे दी जिससे प्लॉट कानूनी बाधाओं से मुक्त हो गया। दोनों पक्षों ने इस विवाद से उत्पन्न सभी लंबित मुकदमों और दावों को हमेशा के लिए बंद करने पर अपनी रजामंदी दी है। इस सफल समझौते ने 34 वर्षों से चली आ रही एक कड़वी कानूनी लड़ाई का सुखद अंत कर दिया है। दोनों पक्षों ने इस सौहार्दपूर्ण समाधान पर पूरी संतुष्टि व्यक्त की है। यह सफलता दर्शाती है कि मध्यस्थता प्रक्रिया कितनी प्रभावी है जो न केवल समय और पैसे की बचत करती है बल्कि आपसी संबंधों को भी बिगड़ने से बचाती है। अब इस समझौते के आधार पर अंतिम आदेश पारित करने के लिए इस मामले को अगस्त 2026 में सर्वोच्च न्यायालय की स्पेशल लोक अदालत पीठ के समक्ष रखा जाएगा।

गुरु रविदास की कही बातें श्री गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल

संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन का मंत्री अनिल विज ने किया अभिनंदन

अगर दुनिया संत रविदास की बातों पर विश्वास कर ले तो धरती स्वर्ग बन सकती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। संत रविदास एक्सप्रेस ट्रेन का स्वागत करते मंत्री अनिल विज व अन्य। फोटो : हरिभूमि

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि संत गुरू रविदास महाराज ने कहा था कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। यदि आपका मन ठीक है तो कुछ और करने की जरूरत नहीं और गंगा आप के बीच में बह रही है। यदि हम उनकी शिक्षाएं धारे तो आज सतयुग बन सकता है। विज अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जालंधर छावनी से वाराणसी तक आरंभ की गई सीर गोवर्धनपुर वाराणसी एक्सप्रेस के बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जालंधर छावनी से प्रारंभ की गई इस ट्रेन में सवार सारे यात्री न केवल यहां से, बल्कि हिंदुस्तान से वाराणसी रविदास की जन्मस्थली पर जाते हैं। उनकी शिक्षाएं अब भी प्रासंगिक हैं। अगर विश्व उनकी कहीं बातों पर विश्वास कर लें तो यह युग कोई भी है, तो यह स्वर्ग बन सकता है। विज ने कहा कि गुरू रविदास की कही बातें श्री गुरू ग्रंथ साहिब में भी शामिल की गई हैं। उन्होंने जात-पात से ऊपर उठने, अपने आप को सबके सामान रखने सब सामान हो। रविदास ने यह भी कहा कि कोई भी कार्य छोटा व बड़ा नहीं होता। वो स्वयं जूते गांठने का काम करते थे। उन्होंने अपने आप को कभी यह नहीं माना कि वह कोई छोटा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा वह काम कर रहे हैं। काम काम होता है। कोई भी काम जो निष्ठा से करता है वह सब बराबर है। यह उन्होंने अपनी शिक्षाओं में कहा। अगर उनकी शिक्षाएं लोग धारे तो आज सतयुग बन सकता है। इससे पहले ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं के साथ संत रविदास एक्सप्रेस का स्वागत किया।

माफी मांगनी चाहिए

ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही उन्होंने ट्रेन व स्टाफ पर फूलों की बरखा कर व स्टाफ को मालाएं पहनाकर उनका छावनी स्टेशन पर स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने भी ट्रेन का स्वागत करने के उपरांत कहा कि यह दिन एतिहासिक है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में इस ट्रेन की सौगात लोगों को मिली हैं। यह बहुत पुरानी मांग थी जो पूरी हो गई है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर नगर परिषद की चेयरपर्सन स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, पूर्व मंत्री संतोष चौहान सारवान, पूर्व विधायक राजबीर सिंह बराड़ा, भाजपा पदाधिकारी सुनील नदारिया, अनिल नागर, विजेंद्र चौहान, रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, रमन छतवाल, अनुज यादव, राजू बाली, प्रमोद, सन्नी तुली, बलजिंद्र सिंह, श्याम सुंदर अरोड़ा, आरती सहगल, रीना शाक्य, शिल्पा पासी, हिमांशु, दिवांश वालिया, सुनील शाक्या, लाडी कलरहेड़ी, सूरज राणा, अभिषेक धीमान, टिंकू राणा, रवि जाट आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

नीला रंग देता है स्वतंत्रता व दूरदर्शिता की प्रेरणा

अंबाला। शहर के पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के नर्सरी विंग में ब्लू डे सेलिब्रेट किया गया । इस अवसर पर सभी बच्चे ब्लू ड्रेस पहन कर आए थे जिसमें वे बहुत ही सुंदर लग रहे थे। बच्चों को बताया गया कि ब्लू कलर का क्या महत्व है। ब्लू रंग शांति, स्थिरता, और विश्वसनीयता का प्रतीक माना जाता है। यह रंग आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और वफादारी को भी दर्शाता है। इसके अलावा, ब्लू कलर एक शांत और सुखदायक प्रभाव डालता है, जो तनाव को कम करने और एकाग्रता में सुधार करने में मदद कर सकता है। इस अवसर पर बच्चे ब्लू कलर के अलग-अलग ऑब्जेक्ट बनाकर लाए जैसे - डॉलफिन फिश ,काइट, बैलून,बटरफ्लाई, वेल,बोट। उनका उत्साह देखते ही बनता था। इस अवसर पर नर्सरी क्लास के बच्चों ने बहुत सुंदर डांस की प्रस्तुति दी और कुछ बच्चों ने कविता के माध्यम से अपनी प्रस्तुति दी। तो वही एल के जी के बच्चों ने ब्लू है पानी-पानी गाने पर डांस किया ,तो वहीं यूकेजी के बच्चों ने अलग-अलग सोंग्स पर नृत्य करके सब का मनमोह लिया।

आधुनिक तकनीक से करवाया अवगत

बराड़ा। फोटोग्राफ़र एसोसिएशन की ओर से कस्बे के एक निजी रेस्तरां में फोटोग्राफरों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फोटोग्राफरों ने भाग लेकर आधुनिक फोटोग्राफी तकनीकों की जानकारी हासिल की। प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक शिवा बख्शी और ट्रेनर कर्ण, आरवी सिंह और आदित्य ने प्रतिभागियों को फोटोग्राफी के क्षेत्र में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बारे में अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने आधुनिक कैमरों, उनके नए फीचर्स, विभिन्न ब्रांडों की खूबियों तथा बदलते दौर में बेहतर फोटोग्राफी के लिए आवश्यक तकनीकों और व्यावहारिक टिप्स साझा किए। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों ने बताया कि डिजिटल तकनीक के निरंतर विकास के साथ फोटोग्राफी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। ऐसे में फोटोग्राफरों को नई तकनीकों और आधुनिक उपकरणों की जानकारी होना बेहद आवश्यक है, ताकि वे ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता की सेवाएं प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कंपनियों के कैमरों के फीचर्स, उपयोग और तकनीकी विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

नई कार्यकारिणी ने सेवा कार्यों का लिया संकल्प

बराड़ा। रोटरी क्लब की नई कार्यकारिणी के इंस्टॉलेशन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. रीटा कालड़ा मुख्यअतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ डॉ. संजय कालड़ा, एजी राजकुमार शर्मा, जेडएलएफ टीके. बजाज, चीफ एड टू डीजी एनपीएस. भोला, रोटेरियन संदीप जैन, डॉ. कुलभूषण शर्मा सहित हरपाल सिंह, राजकुमार सांगवान, दिलप्रीत सिंह, रघुबीर सिंह, रमेश सांगवान, साहिल वर्मा, कुलभूषण, राजेश धीमान, साहिल शर्मा, गैमल दहिया, पूर्ण छाबड़ा, गुरदीप सिंह, इंद्रजीत सिंह, संजीव सांगवान, रहमदीन, रणजीत सिंह, जसविंदर सिंह, जसदीप सिंह, कुलविंदर कौर, नवदीप कौर, रिचा शर्मा, गुरमीत कौर, प्रियंका वर्मा, मुस्कान, समरीत कौर और नीलू छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में रोटेरियन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें बलकार सिंह कांबोज ने क्लब के प्रधान, साहिल वर्मा ने सचिव तथा दिलप्रीत सिंह ने कोषाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। क्लब के पूर्व प्रधान हरपाल सिंह ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जरूरतमंद लोगों की सहायता के क्षेत्र में क्लब द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी।

चंडीगढ़ को मिला अत्याधुनिक मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल

- एक ही छत के नीचे मिलेंगी विशेषज्ञों की संपूर्ण सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

उत्तर भारत में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार बढ़ रही हैं और चंडीगढ़ तेजी से एक प्रमुख हेल्थकेयर हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार में अहम भूमिका निभा रहा है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आरजे कॉर्प हेल्थकेयर ने चंडीगढ़ में 'कोकून हॉस्पिटल प्रीमियम मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल' का शुभारंभ किया है।यह हॉस्पिटल महिलाओं, गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और बच्चों के लिए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यहां अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी, अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों और व्यक्तिगत देखभाल (पर्सनलाइज़्ड केयर) के साथ प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, नवजात शिशु की देखभाल और बच्चों के उपचार तक सभी आवश्यक सेवाएं एक स्थान पर उपलब्ध होंगी।आरजे कॉर्प हेल्थकेयर के फाउंडर एवं चेयरमैन रवि कांत जयपुरिया ने कहा,₹हमारा मानना है कि हर मां और हर बच्चे को सुरक्षित, भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए। इसी सोच के साथ कोकून हॉस्पिटल की शुरुआत की गई थी।

देश भगत विश्वविद्यालय श्रीनगर में करेगा मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी गोबिंदगढ़

देशभर के युवाओं को सार्थक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए देश भगत विश्वविद्यालय (डीबीयू), पंजाब द्वारा नेशंस डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनडीए), क्लस्टर विवि श्रीनगर, माय भारत जम्मू-कश्मीर, एनआईईएलआईटी श्रीनगर तथा हिमालयन क्लब ट्रस्ट के सहयोग से मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026 का आयोजन मंगलवार, 28 जुलाई को अमर सिंह कॉलेज, श्रीनगर में प्रातः 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक किया जाएगा। इस प्रतिष्ठित रोजगार मेले में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम की घोषणा करते हुए देश भगत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. जोरावर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि मेगा जॉब फेयर कश्मीर–2026 विवि की उस दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली युवाओं को देश की अग्रणी कंपनियों से जोड़कर क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान दिया जा रहा है।

विशेष लोक अदालत में 386 में से हुआ 216 मुकदमों का निपटारा

अंबाला। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश-कम-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित लंबित मामलों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से त्वरित निपटारा करना रहा। इस विशेष लोक अदालत में 386 मुकदमे रखें गए। 216 मुकदमे का निपटारा हुआ और 10,46,809/- राशि का भुगतान किया गया। जिससे पक्षकारों का समय एवं धन दोनों की बचत हुई। इस विशेष लोक अदालत का लाभ बहुत से लोगों ने उठाया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

पत्र भेजकर सड़क को दुरुस्त करवाने की मांग

बदहाल सड़क की वजह से राहगीर बेहद परेशान

वार्ड नंबर-16 की सदस्य ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

बराड़ा। विभाग को लिखा शिकायत पत्र दिखाते हुए सदस्य।

वार्ड-16 की बदहाल सड़क और अंधेरे का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। क्षेत्र की नपा सदस्य गुरजिंदर कौर ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता को पत्र भेजकर राजिंदर सिंह के घर से लेकर पूर्व सरपंच गुरदीप सिंह के घर के पास स्थित अंडरपास तक सड़क का निर्माण कराने तथा पूरे मार्ग पर फैंसी स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है।

निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग

पत्र में कहा है कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर हालत में है। बरसात के दौरान सड़क के दोनों ओर दो से तीन फीट तक पानी भर जाता है, जिससे राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों को रोजाना भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। जलभराव के कारण सड़क लगातार टूट रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि यह मार्ग वार्ड के लोगों के साथ-साथ गुरुद्वारा साहिब बसंतपुरा आने-जाने वाली संगत के लिए भी प्रमुख संपर्क मार्ग है। रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से पूरा इलाका अंधेरे में डूबा रहता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। गुरजिंदर कौर ने कहा कि यदि सड़क का निर्माण कर आधुनिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जाती हैं तो जलभराव की समस्या दूर होने के साथ-साथ यातायात सुगम होगा, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा और क्षेत्र की सुंदरता व सुरक्षा में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना को शीघ्र स्वीकृति देकर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

2.260 किलो ग्राम चरस समेत चार गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एंटी नारकोटिक्स सैल के प्रभारी उप निरीक्षक नरेश कुमार के नेतृत्व में जांच टीम ने दो अलग-अलग मामलों में तत्परता से कार्रवाई करते हुए कुल 2 किलो 260 ग्राम चरस और तस्करी में इस्तेमाल दो कारों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पहला मामला थाना बलदेव नगर का है। एएनसी टीम ने सूचना के आधार पर एनएच-44 पुल थाना बलदेव नगर क्षेत्र में नाकाबंदी कर एक कार को रोककर तलाशी लेने पर उसमें सवार दो आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 160 ग्राम चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनीष व विवेक निवासी फरीदाबाद के रूप में हुई है।

हेरोइन तस्करी मामले में विदेशी नागरिक पकड़ा

अंबाला। सीआईए-1 ने 102 ग्राम 05 मिलीग्राम हेरोइन तस्करी मामले में मुख्य आरोपी और विदेशी नशा तस्कर को दिल्ली के द्वारका इलाके से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान नाइजीरिया के ओगोचुकवू स्टीफन उर्फ जोहन उर्फ टेगों के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिन 3 जून 2026 को सीआईए-1 की टीम ने थाना पड़ाव क्षेत्र के अंतर्गत टांगरी पुल (गांव शाहपुर) के पास से तीन नशा तस्करों को 102 ग्राम 5 मिलीग्राम हेरोइन के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपियों ने खुलासा किया था कि वे यह नशा दिल्ली में रहने वाले नाइजीरियाई मूल के तस्कर ओगोचुकवू स्टीफन से खरीदकर लाए थे। शुरुआती पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। सीआईए-1 प्रभारी निरीक्षक परमवीर ने बताया कि मुख्य विदेशी तस्कर को पकड़ने के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयासरत थी। सूचना तंत्र और तकनीकी संसाधनों की मदद से सहायक उप निरीक्षक मनदीप सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 19 जुलाई 2026

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

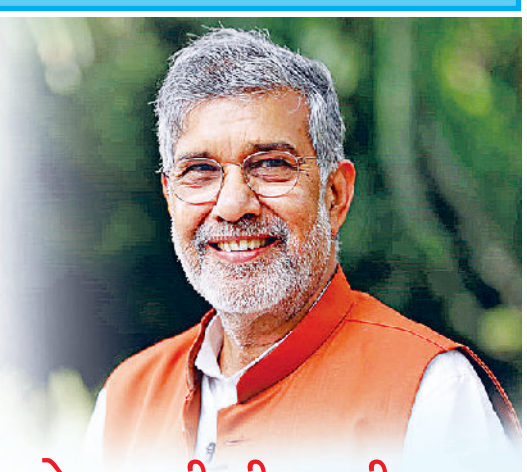

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लोक-संस्कृति / शिखर चंद जैन

दुनिया के अनेक देशों की संस्कृतियों में बादल और बारिश को उम्मीद, समृद्धि और जीवन का संदेशवाहक माना जाता है। इसी खुशी को अलग-अलग देशों में अनूठे उत्सवों, लोक-परंपराओं, प्रार्थनाओं, नृत्य और सामुदायिक अनुष्ठानों के जरिए उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। वर्षा ऋतु से जुड़े ऐसे ही कुछ उत्सवों पर एक नजर।

दुनिया भर में मनाते हैं रंग-बिरंगे वर्षा उत्सव

वर्षा प्रार्थना महोत्सव, वियतनाम

मार्च के शुष्क मौसम में वियतनाम के हा जियांग प्रांत में लो लो समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य और प्रार्थना के माध्यम से बादलों से पानी बरसाने की गुहार लगाते हैं। इसमें तांबे के प्राचीन ड्रम बजाना और पुजारी (शमन) द्वारा प्राकृतिक शक्तियों को प्रसन्न करने वाले मंत्रोच्चार शामिल होते हैं, जिसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन होता है। वियतनाम का एक अन्य श्वेत थाई अल्पसंख्यक समुदाय जेन, बारिश के आगमन पर फोन महोत्सव मनाता है। यह उत्सव उत्तर-पश्चिमी वियतनाम की माई चाऊ की खूबसूरत घाटी में होता है। इस उत्सव में गांव के लोग पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हैं, सामूहिक रूप में लोक गीत गाते हैं और अच्छी बारिश की कामना के लिए अनुष्ठान करते हैं। वियतनाम में रहने वाले जराई समुदाय के लोग प्ली ओई नामक वर्षा प्रार्थना उत्सव, किसी राष्ट्रीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल पर सामूहिक तौर पर मनाते हैं। यह आयुन हा कम्यून और जिया लाई प्रांत में मनाया जाता है। *

मकाहिकी उत्सव, अमेरिका

अमेरिका के हवाई द्वीप में मनाया जाने वाला मकाहिकी उत्सव वर्षा ऋतु, उर्वरता और शांति के देवता 'लोनो' को समर्पित है। चार महीनों तक चलने वाले इस पारंपरिक लोक उत्सव में कृषि कार्यों को रोककर दावतें, संगीत और पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। भरपूर वर्षा और उससे उपजी फसल के लिए देवता को धन्यवाद दिया जाता है। इस उत्सव के दौरान किसी भी तरह का विवाद, झगड़ा करना वर्जित होता है। सभी मिलकर प्रेम और सौहार्द के साथ सामूहिक तौर पर पहली बारिश का जश्न मनाते हैं। *

लोंगटैटो महोत्सव, चीन

चीन में मनाए जाने वाले पारंपरिक त्योहार लोंगटैटो में लोग बारिश के देवता माने जाने वाले 'ड्रैगन' के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित करते हैं, ताकि वे प्रसन्न रहें और उनकी कृपा से पूरे वर्ष कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती रहे। 'लोंगटैटो' का शाब्दिक अर्थ 'अजगर (ड्रैगन) का अपना सिर उठाना' होता है। प्राचीन काल में चीन के निवासियों का मानना था कि इस दिन के बाद बारिश बढ़ जाती है, क्योंकि बारिश लाने वाला ड्रैगन राजा अपनी सर्दियों की नींद से जाग जाता है। इस त्योहार की सबसे प्रसिद्ध परंपरा इस दिन बाल कटवाना है। चीनी लोगों का मानना है कि इस दिन नाई के पास जाने या बाल कटवाने से दुर्भाग्य दूर होता है और पूरे साल अच्छी किस्मत बनी रहती है। इस दिन लोग 'ड्रैगन' नाम से जुड़े या ड्रैगन के अंगों का प्रतीक माने जाने वाले व्यंजन खाते हैं, जैसे- ड्रैगन की मूंछों वाले नूडल्स (लॉन्गक्सू नूडल्स) और पकौड़ी, ताकि अच्छी फसल और मौसम के लिए अपने भोजन के जरिए भी प्रार्थना की जा सके। *

बरशा बंदोना, बांग्लादेश

हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में आषाढ़ महीने के पहले दिन मनाए जाने वाले इस उत्सव बरशा बंदोना में संगीत, कविता पाठ और साल की पहली बारिश में स्नान करने की अनूठी परंपरा है। इस उत्सव में ग्रामीण महिलाएं आसमानी नीले रंग की साड़ियां पहनकर बादलों का स्वागत करती हैं। वर्षा का आह्वान करती हैं। *

हरियाली तीज पर झूला झूलती महिलाएं

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व साओ जोआओ

भारत में मनाए जाने वाले वर्षा उत्सव

अपने देश भारत के अलग-अलग भागों में भी बारिश के आगमन पर, इसके स्वागत के लिए कई पारंपरिक उत्सव मनाए जाते हैं।

हरियाली तीजः राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों के ग्रामीण और आंचलिक क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति की हरियाली और बादलों का स्वागत करने के लिए हरियाली तीज पर्व मनाते हैं। इस पर्व से धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और व्रत रखती हैं। इसके अलावा आपसी समुदाय और आस-पड़ोस की महिलाएं किसी बाग-बगीचे में सामूहिक तौर पर झूला झूलती हैं और पारंपरिक लोकगीत गाती हैं।

साओ जोआओः मानसून की शुरुआत में गोवा में मनाया जाने वाला अनोखा त्योहार है, साओ जोआओ। इस पर्व में युवा मानसूनी बारिश के पानी से भरे कुओं और तालाबों में कूदकर प्रकृति के इस उपहार का जश्न मनाते हैं। इस उत्सव पर लोग सिर पर फलों के मुकुट भी पहनते हैं। इस तरह यह पर्व प्रकृति से हमारे जुड़ाव और उस पर निर्भरता को प्रकट करता है।

सापुतारा मानसून महोत्सवः गुजरात राज्य में मनाया जाने वाला सापुतारा मानसून महोत्सव, भारत के चुनिंदा उत्सवों में से है जो विशेष रूप से आसमान में तैरते बादलों, धुंध और बारिश के मनोरम मौसम को समर्पित है। इस पर्व से भी स्थानीय लोक संस्कृति की कई परंपराएं जुड़ी हुई हैं।

लक्ष्य निर्धारण से मिलेगी करियर में निश्चित सफलता

बदलते दौर में किसी करियर में सफल होने के लिए केवल मेहनत नहीं, बल्कि निश्चित लक्ष्य और सही दिशा का होना भी जरूरी है। स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को अवसर पहचानने, बेहतर निर्णय लेने और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हैं। अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, किस तरह उसे प्राप्त करें, बहुत उपयोगी सलाह।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

मशहूर करियर काउंसलर रिचर्ड एन. बोलस ने अपनी किताब 'व्हाट कलर इज योर पैराशूट' में लिखा है, 'करियर में ऊंची उड़ान भरनी है तो पहले अपनी मंजिल तय करें।' तकनीक, एआई, ऑटोमेशन और बदलते रोजगार बाजार ने करियर की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। आज सफलता केवल कड़ी मेहनत से नहीं मिलती बल्कि उस सही दिशा से मिलती है, जिसे लक्ष्य निर्धारण या गोल सेटिंग कहा जाता है।

लक्ष्य देता है स्पष्ट दिशाः मानव मस्तिष्क तब सबसे प्रभावी ढंग से काम करता है, जब उसे स्पष्ट उद्देश्य हासिल होता है। मनोविज्ञान बताता है कि लक्ष्य हमारे ध्यान, ऊर्जा और निर्णयों को एक दिशा में केंद्रित करते हैं। बिना लक्ष्य के व्यक्ति अनेक काम करता है, लेकिन उसकी ऊर्जा बिखर जाती है। जबकि स्पष्ट लक्ष्य उसे बताते हैं कि कौन-सा काम महत्वपूर्ण है और कौन-सा बिना किए भी चल जाएगा। यही कारण है कि उद्यमी, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासक अपने बड़े उद्देश्यों को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर काम करते हैं।

गोल सेटिंग से बढ़ती उत्पादकताः स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को समय का महत्व समझाता है। जब किसी व्यक्ति के पास निर्धारित लक्ष्य होता है, तो वह लगातार सीखने के लिए प्रेरित होता है। मसलन यदि किसी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनना है तो नेटवर्किंग, क्लाउड सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और एआई आधारित सुरक्षा प्रणालियों का लगातार अध्ययन करता है। वास्तव में यही सीखने की प्रवृत्ति भविष्य में उसकी बड़ी ताकत बनती है।

निर्णय लेना सीखिएः करियर में हर दिन छोटे-बड़े निर्णय लेने होते हैं- नई नौकरी स्वीकारें या नहीं, कौन-सा कोर्स करें, किस तकनीक को सीखें, किस अवसर को छोड़ दें? ये ऐसी बातें हैं जो हर उस व्यक्ति के सामने आती ही आती हैं, जो अभी अपने करियर में आगे बढ़ने की दिशा में होता है। ऐसे में यदि आपका लक्ष्य स्पष्ट है तो निर्णय लेना सरल हो जाता है, क्योंकि हर विकल्प को उसी कसौटी पर परखा जाता है कि वह हमें हमारे उद्देश्य के कितना निकट ले जाएगा।

छोटे-छोटे लक्ष्य प्राप्त करें: जब व्यक्ति छोटे लक्ष्य पूरा करता है तो उसका अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ने लगता है। वास्तव में यही आत्मविश्वास उसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और यही आत्मविश्वास बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसका आधार बनता है। करियर की लंबी यात्रा में यह मानसिक ताकत बेहद जरूरी होती है।

बदलें अपनी रणनीतिः जिन लोगों के पास कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वे एक समय के बाद ठहर जाते हैं। कोई परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं देती है। ऐसे में वे बार-बार असफल होने लगते हैं। लेकिन जिनके पास अपने लक्ष्य की स्पष्ट दिशा होती है, वे इन बातों से परेशान नहीं होते। वे अपनी रणनीति बदलते हैं, सीखते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं।

मजबूत नेटवर्क बनाएं: जब व्यक्ति के करियर का अपना लक्ष्य तय होता है, तो वह अपने तय लक्ष्य के वरिष्ठों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग मजबूत करता है, क्योंकि उसे पता होता है कि आज नहीं तो कल उसे इन्हीं के साथ काम करना है। यह नेटवर्क इसके लिए बहुत काम का साबित होता है। *

ऐसे डिसाइड करें टार्गेट

कुछ करियर काउंसलर लक्ष्य तय करने के मामले में एक स्मार्ट मॉडल अपनाने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार ऐसे लक्ष्य बनाएं, जो बिल्कुल स्पष्ट हों, जिसे हासिल किया जा सके, यानी जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल हों। लक्ष्य ऐसा हो, जो वर्तमान समय में प्रासंगिक करियर हो, जिस तक एक समयबद्ध रफ्तार से पहुंचा जा सके।

नेचुरल प्लेस / बाल मुकुंद ओझा

स्टेपिंग स्टोंस खूबसूरत रिवर क्रॉसिंग

लंदन, दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां अगर तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो तो यह अच्छे मौसम का परिचायक माना जाता है। लंदन प्रवास के दौरान एक दिन ऐसे ही अनुकूल मौसम का फायदा उठाते हुए हमने सपरिवार घूमने का प्रोग्राम बनाया और पहुंच गए बॉक्स हिल की तलहटी पर बहने वाली मोल नदी पर बने मशहूर स्टेपिंग स्टोंस पर।

खूबसूरत वॉकिंग प्लेसः मोल नदी, दक्षिणी इंग्लैंड में टेम्स नदी की एक सहायक नदी है। यह गैटविक एयरपोर्ट के पास वेस्ट ससेक्स में निकलती है और सरे शहर से उत्तर-पश्चिम में 80 किमी. बहकर हैंपटन कोर्ट पैलेस में टेम्स नदी तक पहुंचती है। यह नदी सरे जिले के मोल वैली को अपना नाम देती है। यह खूबसूरत वॉकिंग प्लेस, साउथ लंदन स्थित हमारे घर से लगभग 50 किमी. दूर ही है। स्टेपिंग स्टोंस, सरे काउंटी स्टेट के इस हिस्से में एक मशहूर जगह है और नदी को बहते हुए बिल्कुल करीब से देखने के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

इसे पार करना है रोमांचकः स्टेपिंग स्टोंस, पत्थरों का एक सेट है, जिसे एक काम चलाऊ रास्ता बनाने के लिए लगाया गया है। यह पैदल चलने वालों को एक प्राकृतिक नदी के रास्ते से होकर ले जाता है। ये स्टोन यानी पत्थर विक्टोरियन जमाने से बॉक्स हिल आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा स्थल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, पत्थर से पत्थर पर कदम रखते हैं और बिना फिसले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। ये बैलेंस ब्लॉक, शारीरिक गतिविधि और सक्रिय प्रयास को बढ़ावा देते हैं। विशेषकर बच्चे, किशोर और युवाओं को ये स्टेपिंग स्टोंस, पूरे शरीर के व्यायाम के लिए कूदने, खिंचाव, चढ़ाई और संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैंने भी नदी को इन लगभग 15 स्टेपिंग स्टोंस पर चलकर पार किया। कई बार बैलेंस बिगड़ा मगर तुरंत संभल भी गया। एक बारगी तो ऐसे लगा जैसे इस बार तो गिर ही जाऊंगा, मगर इन स्टेपिंग स्टोंस को आखिर पार कर ही लिया।

दूसरी तरफ हैं शानदार नजारेः एक बार स्टेपिंग स्टोन पार करने के बाद, रास्ता नदी के साथ-साथ चलता है, जहां से पानी और आस-पास की मंत्र मुग्ध कर देने वाली हरियाली के खूबसूरत नजारे दिखते हैं। बॉक्स हिल स्टेपिंग स्टोंस वॉक, सरे हिल्स नेशनल लैंडस्केप में 3.2 किमी. का हाइकिंग रूट है। लगभग 1 घंटे में 477 फीट की चढ़ाई चढ़ लेते हैं। वॉक का यह हिस्सा थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत रोमांचक है। *

मर्लिन मुनरो से इंस्पायर रहीं बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस

हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं मर्लिन मुनरों ने दुनिया भर के दर्शकों को ही नहीं, हिंदी सिनेमा की कई फेमस एक्ट्रेसेस को भी इंस्पायर किया। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल एक एक्ट्रेस को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस खूबसूरती, ग्लैमर और व्यक्तित्व के प्रभाव को समझने का भी समय है।

ग्लैमर आइकन

डी. जे. नंदन

साल 2026, 20वीं सदी की सबसे मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक मर्लिन मुनरो का जन्मशती वर्ष है। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल हॉलीवुड के लिए खास नहीं है, बॉलीवुड के लिए भी यह विशेष है। क्योंकि बॉलीवुड में भी मर्लिन मुनरो के ग्लैमर ने न केवल अपनी स्थाई छाप छोड़ी है बल्कि आज भी बॉलीवुड के ग्लैमर में मर्लिन मुनरो की साफ-साफ मौजूदगी देखी जा सकती है। हालांकि मर्लिन ने कभी-भी बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं की, लेकिन उनकी छवि, उनका ग्लैमर, उनका फैशन सेंस और कैमरे के सामने उनकी सहज आत्मविश्वास से भरी मौजूदगी ने बॉलीवुड की कई पीढ़ियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित किया है।

मधुबाला

जीनत अमान

बॉलीवुड पर प्रभावः वास्तव में 1950 और 1960 के दशक का भारतीय सिनेमा, परिवर्तन के दौर का सिनेमा था। पहले जहां नायिकाएं सादगी और पारंपरिक पहनावों तक सीमित रहती थीं, वहीं धीरे-धीरे आधुनिक परिधान, पश्चिमी फैशन और कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी नायिका पर्दे पर दिखाई देने लगीं, जिसमें मर्लिन मुनरो के ग्लैमर का साफ-साफ असर देखा जा सकता है। भारतीय फिल्मों की नायिकाओं ने मर्लिन मुनरो से बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ उनकी तरह बनने और ढलने की भी कोशिश की है। मर्लिन मुनरो की मुस्कान, कैमरे के सामने संवाद अदा करने का उनका अंदाज, बॉडी लैंग्वेज और फैशन ने भारतीय फिल्मकारों को यह एहसास कराया कि ग्लैमर भी अभिनय की भाषा का हिस्सा हो सकता है।

मर्लिन मुनरो से मधुबाला की तुलनाः बॉलीवुड की जिस नायिका पर सबसे पहला और सबसे ज्यादा मर्लिन मुनरो का असर दिखा, वह मधुबाला थीं। उस दौर में अकसर मधुबाला की तुलना मर्लिन मुनरो से की जाती थी। दोनों ही असाधारण सुंदर थीं, दोनों के पास सहज मुस्कान का जबर्दस्त जादू था और दोनों ही कम उम्र में असमय मृत्यु को प्राप्त हुईं। हिंदी सिनेमा के दर्शक मधुबाला को मर्लिन मुनरो की तरह देखते थे। हालांकि दोनों की अभिनय शैली और फिल्मी यात्रा एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी यह सच है कि दोनों अपने-अपने देशों में सौंदर्य और आकर्षण का स्थाई प्रतीक बन गईं। मधुबाला की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विकसित हुई, जबकि मर्लिन वैश्विक पॉप कल्चर की पहचान बनीं।

दीपिका पादुकोण

करीना कपूर

परवीन बॉबी-जीनत अमान पर प्रभावः परवीन बॉबी की भी तुलना कई संदर्भों में मर्लिन मुनरो से की जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि अगर पश्चिमी ग्लैमर की सबसे साफ झलक बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री में आजतक सबसे ज्यादा दिखी है, तो वह परवीन बॉबी ही थीं। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने भारतीय फिल्मों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और फैशनेबल महिला की नई छवि प्रस्तुत की थी। पश्चिमी परिधान, खुले विचार और कैमरे के सामने सहज आत्मविश्वास ने उन्हें उस दौर की सबसे अलग अभिनेत्री बना दिया था। ऐसे ही जीनत अमान ने एक दौर में न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पारंपरिक परिभाषा को बदला था बल्कि वह भी पश्चिमी फैशन, मर्लिन मुनरो की तरह बड़े-बड़े धूप के चश्मे, स्टाइलिश गाउन पहनने और आत्मविश्वास से बॉलीवुड की सिने स्क्रीन को अपनी मौजूदगी से चौंधिया दिया था। हालांकि जीनत अमान या परवीन बॉबी के बारे में यह नहीं कह सकते कि वे सीधे-सीधे मर्लिन मुनरो को कॉपी करती थीं। इन दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने मुनरो से प्रेरणा तो ली थी, लेकिन उन्होंने अपना ग्लैमर भारतीय संदर्भों में विकसित किया था।

इन एक्ट्रेसेस पर भी दिखा असरः 1980-90 के दशक में श्रीदेवी ने ग्लैमर और अभिनय का वैसा ही संतुलन पेश किया था, जैसा कभी मर्लिन मुनरो ने हॉलीवुड में किया था। श्रीदेवी के अभिनय में उनका गजब का आकर्षण शामिल होकर उन्हें अद्वितीय बनाता था। बाद की पीढ़ियों में करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण भी अपने ग्लैमर के प्रदर्शन में मर्लिन मुनरो से प्रेरित दिखाई पड़ी हैं। *

ड्रेसिंग स्टाइल-फोटो शूट पर भी दिखा असर

बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो का सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव किसी चीज पर पड़ा है, तो वह है कॉस्ट्यूम डिजाइन। यह अकारण नहीं है कि बॉलीवुड की हीरोइनों के बीच सफेद और आइवरी कलर के गाउन सबसे ज्यादा आकर्षण बिखेरते रहे हैं, जो कि मर्लिन मुनरो के सबसे ज्यादा पसंदीदा थे। मर्लिन मुनरो की तरह ही बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने हॉफ शोल्डर और हॉल्टर नेक ड्रेस को अपनी पहचान से बार-बार जोड़ा है। उन्हीं की तरह प्लेटिनम या हल्के सुनहरे बालों का प्रयोग, लाल लिपस्टिक, क्लासिक मेकअप तथा कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ पोज देने की शैली, ये सब कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने मर्लिन मुनरो से ही सीखा। ड्रेसिंग स्टाइल के अलावा फिल्म पत्रिकाओं में अनेक अभिनेत्रियों ने वैसे ही फोटो शूट कराए जैसे एक जमाने में मर्लिन मुनरो कराती थीं। घुमावदार रोशनी, क्लोज अप मुस्कान और क्लासिक हेयर स्टाइल, ये सभी प्रभाव बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो से ही आए हैं। आज भी कई सेलिब्रिटी फोटो शूट पोज में ओल्ड हॉलीवुड थीम अपनाते हैं, जिसमें मर्लिन मुनरो की शैली सबसे खास होती है।

बराक नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि ब्रह्मपुत्र के बाद उत्तर-पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि, संस्कृति और पारिस्थितिकी की दूसरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

पूर्वोत्तर भारत की दूसरी जीवन रेखा बराक नदी

विशिष्ट नदी

वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं व संस्कृतियां फली-फूली हैं। पूर्वोत्तर भारत की नदियों की बात करें, तो ब्रह्मपुत्र के बाद बराक नदी, दूसरी महत्वपूर्ण नदी है। बराक नदी के बारे में कहा जाता है कि यह केवल एक जलधारा नहीं है बल्कि एक जीवंत सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी का आधार है।

उद्गम और अपवाह तंत्रः बराक नदी मणिपुर से निकलती है और असम की बराक घाटी से होकर बहती है। बराक घाटी से आगे बढ़कर यह बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है और वहां यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। मणिपुर में जहां बराक नदी का जन्म होता है, वहां यह छोटी-छोटी धाराओं के रूप में आगे बढ़ती है और फिर आगे चलकर एक विशाल नदी का रूप ले लेती है। इसकी कुल लंबाई 900 किलोमीटर है और इसका प्रवाह क्षेत्र मणिपुर, मिजोरम और असम है। बांग्लादेश में घुसने के बाद यह दो धाराओं में बंट जाती है। एक सूरमा और दूसरा कुशियारा। जब यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बनकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, उस समय यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलधारा का रूप ले लेती है।

पारिस्थितिकीय महत्वः बराक नदी का बेसिन जैव-विविधता का समृद्ध केंद्र है। घने वनों, वेटलैंड और मैदानों से भरपूर इलाकों से गुजरती बराक नदी, दर्जनों किस्म की मछलियों, सैकड़ों किस्म के बहुरंगी पक्षियों और मीठे अन्न की उपजाऊ फसलों का समृद्ध ठिकाना है। इस नदी में नियमित बाढ़ आती है। लेकिन यह बाढ़ यहां जितना प्रत्यक्ष नुकसान करती है, उससे कई गुना ज्यादा अपने साथ उर्वरक मिट्टी लाकर खेती का जरिया भी बनती है।

पूर्वोत्तर की कृषि-अर्थव्यवस्था में योगदानः पूर्वोत्तर के कृषि जीवन में इस नदी का योगदान ब्रह्मपुत्र नदी से भी ज्यादा है। असम के लाखों लोगों के जीवन जीने का यह मुख्य आधार है। धान, जूट और सब्जियों की खेती, इस नदी के उर्वरक मिट्टी की देन है। बाढ़ के कारण यह हर साल जो उपजाऊ मिट्टी लेकर आती है, वह एक तरह से उत्तर पूर्व का खाद्यान्न भंडार भरती है। असल में यह नदी जल परिवहन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। बराक नदी केवल जल का नहीं बल्कि कृषि, रोजगार और आर्थिक स्थिरता का भी स्रोत है।

ऐ ति हा सि क - स मा जि क - सांस्कृतिक महत्वः बराक नदी के किनारे बसे गांवों में त्योहारों पर अकसर मेलों का आयोजन होता है, जो जल और प्रकृति दोनों के प्रति आस्था और श्रद्धा का आधार हैं। बराक नदी के किनारे बंगाली और दूसरे समुदायों का निवास है, जिनकी सांस्कृतिक पहचान में इस नदी का महत्वपूर्ण योगदान है। इतिहास में बराक नदी ने उत्तर-पूर्व को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया था। प्राचीन और मध्यकाल में यह व्यापारिक मार्ग रही है। सिलचर जैसा सांस्कृतिक शहर इसी नदी के किनारे विकसित हुआ है।

संरक्षण है जरूरीः उत्तर-पूर्व की यह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी कई तरह की समस्याओं, जैसे- प्रदूषण, अवैध रेत खनन, जलवायु परिवर्तन आदि का सामना कर रही है। यदि इसका संरक्षण न हुआ तो पूर्वोत्तर भारत की यह दूसरी जीवनरेखा संकट में पड़ सकती है। *